पाठ 1. फूल और काँटा

I. मौखिक कौशल

(बच्चों को मौखिक उत्तर देने के लिए प्रेरित करें।)

1. काँटे तितलियों के पंख कतर देते हैं।
2. देवताओं पर फूलों को चढ़ाया जाता है।
3. लोगों की आँखों में काँटा खटकता है।
4. इस कविता के रचयिता अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हैं।

II. लिखित कौशल

1. इस कविता में फूल की तुलना काँटे से की गई है।
2. काँटों के स्वभाव के बारे में कवि ने बतलाया है कि काँटा किसी की उँगलियाँ छेद देता है तथा किसी के कपड़े फाड़ देता है इसलिए काँटा सबकी आँखों में खटकता है।
3. फूल तितलियों को अपनी गोद में बिठाता है और भौंरे को अपना रस पिलाता है इसलिए फूल देवताओं के शीश पर चढ़ाया जाता है।
4. फूल और काँटा दोनों साथ रहते हैं परंतु उनके स्वभाव में बहुत अंतर रहता है। फूल को सभी लोग प्यार से देखते हैं जबकि काँटा सबके तिरस्कार का पात्र बनता है।
5. काँटा सबकी आँखों में खटकता है परंतु फूल देवताओं के शीश पर सुहाता है। ऊँचे कुल में जन्म लेने से ही कोई भी बड़ा नहीं बन जाता। इनसान अपने कर्मों से बड़ा बनता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) जगह (ख) निज   2. (क) (i) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. हमारा स्वभाव फूलों के जैसा कोमल तथा दूसरों का हित करने वाला होना चाहिए।
2. इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि इनसान अपने कर्मों से बड़ा बनता है न कि उच्च कुल में जन्म लेने से, इसलिए मनुष्य को सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) तितलियाँ (ख) आँखें (ग) हवाएँ (घ) उँगलियाँ
2. (क) जिन व्यक्तियों में आत्मविश्वास होता है उन्हें सफलता अवश्य मिलती है।
   (ख) अपना काम स्वयं करना चाहिए।
   (ग) किसी की सहायता करना अच्छी बात होती है।
   (घ) यह बात सत्य है कि मेहनत करने वालों की हार नहीं होती। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. गुलाब, बेला, सूरजमुखी, गेंदा, चमेली, कमल, गुलदाऊदी, हरसिंगार, चंपा
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. नादान दोस्त

I. मौखिक कौशल

1. केशव और श्यामा भाई-बहन थे। 2. चिड़िया ने अंडे छज्जे पर दिए थे।
3. केशव ने टोकरी का सूराख बंद करने के लिए उसमें थोड़ा-सा कागज़ ठूँस दिया।
4. स्टूल के चारों पाये बराबर नहीं थे इसलिए ज़रा-सा दबाव पड़ने पर वह हिल जाता था।
5. केशव ने तीन अंडे देखे। 6. अंडे ज़मीन पर चिड़िया ने गिरा दिए थे।

II. लिखित कौशल

1. चिड़ा और चिड़िया को देखकर केशव और श्यामा के मन में भाँति-भाँति के प्रश्न उठते – अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? उनमें से बच्चे कैसे निकल आएँगे? बच्चों के पंख कैसे निकलेंगे? घोंसला कैसा है?
2. चिड़िया बेचारी इतना दाना कहाँ से ला पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भरे! यही सोचते हुए दोनों भाई-बहन के मन में यह विचार आया कि छोटे बच्चे भूख के मारे चूँ-चूँ कर मर जाएँगे।
3. श्यामा माँ से आँख बचाकर मटके से चावल निकाल लाई तथा केशव ने पत्थर की प्याली का तेल चुपके से ज़मीन पर गिरा दिया और उसे साफ़ करके उसमें पानी भरा। इस प्रकार दाना-पानी का इंतज़ाम किया गया।
4. टोकरी के सूराख में थोड़ा-सा कागज़ ठूँस दिया गया और टोकरी को टहनी से टिकाकर घोंसले पर आड़ कर दी गई। इस तरह से अंडों को धूप से बचाने का उपाय किया गया।
5. केशव ने छज्जे पर देखा कि वहाँ थोड़े-से तिनके बिछे हुए हैं और उनपर अंडे पड़े हैं।
6. धोती का टुकड़ा लेकर केशव ने उसकी कई तहें कीं तथा एक गद्दी बनाई। गद्दी को तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उसपर रख दिए।
7. श्यामा ने कमरे में आकर सूचना दी कि अंडे नीचे पड़े हैं तथा बच्चे उड़ गए।
8. माँ ने दोनों बच्चों को बताया कि छूने से चिड़िया के अंडे गंदे हो जाते हैं। वह फिर उन्हें नहीं सेती। यह बात सुनकर केशव को कई दिनों तक अपनी भूल का पश्चात्ताप होता रहा। वह कभी-कभी रो भी पड़ता था।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. भले ही केशव और श्यामा की नादानी के कारण अंडे टूट गए परंतु अंडों की चिंता करना, छोटे-छोटे बच्चों के चुग्गे का खयाल, अंडों की हिफ़ाज़त करना आदि पक्षियों के प्रति उनकी प्रेम भावना को प्रकट करता है।
2. इस पंक्ति से यह पता चलता है कि माँ बच्चों को डाँट नहीं रही थीं बल्कि उन्हें प्यार से समझा रही थीं। माँ समझ गई थीं कि केशव को अपनी भूल पर पछतावा हो रहा है।

V. भाषा कौशल

1. (क) चढ़ेगा (ख) अंडे (ग) ज़रा (घ) दबी (ङ) तीन (च) स्टूल (छ) अभी
2. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग (च) स्त्रीलिंग (छ) पुल्लिंग

3. (क) भगत सिंह फ़िल्म में अजय देवगन के अभिनय की सभी ने प्रशंसा की।
(ख) भारत माता को आज़ाद कराने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने न जाने कितने कष्ट सहे।
(ग) अपराधी को दंड दिया जाना आवश्यक है।
(घ) किसी ने आवाज़ लगाई, लगता है द्वार पर कोई खड़ा है।
(ङ) हिंसा करना पाप है। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) पहाड़ी मैना (ख) नीलकंठ (ग) सारस (घ) कोयल (ङ) राजहंस
शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 3. बड़े भाई को पत्र

I. मौखिक कौशल

1. इस पत्र के लेखक डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद जी हैं।
2. सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी में सम्मिलित होना चाहते थे।

II. लिखित कौशल

1. राजेंद्र प्रसाद जी करीब बीस दिन पहले गोखले जी से मिले थे।
2. पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से गोपाल कृष्ण गोखले जी की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने की अनुमति माँगी है।
3. राजेंद्र प्रसाद जी ने देश-सेवा के काम आने की महत्वाकांक्षा के बारे में बताया है।
4. पत्र के अंत में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई के प्रति अनुमति मिलने की आशा प्रकट की क्योंकि उनकी दृष्टि में उनके भाई ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए रुपये-पैसे तुच्छ वस्तु है और देश-सेवा ही सब कुछ है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) प्रस्ताव (ख) गरीब (ग) अनुमति **2.** (क) (i) (ख) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ में राजेंद्र बाबू के देश-प्रेम, परिवार की ज़िम्मेदारियों को समझना एवं पालन करना, बड़ों का सम्मान करना तथा आज्ञापालन जैसे मानवीय गुणों का उल्लेख किया गया है।
2. 'पत्र लिखकर अनुमति माँगना' बड़ों के प्रति सम्मान तथा परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का भाव जैसे पारिवारिक मूल्यों को उजागर करता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) असहमति (ख) निराशा (ग) अनावश्यक (घ) अस्वीकार
2. (क) रुपये – पुल्लिंग (ख) त्याग – पुल्लिंग (ग) मर्यादा – स्त्रीलिंग (घ) कमाई – स्त्रीलिंग
3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. न्याय-मंत्री

I. मौखिक कौशल

1. नवयुवक ने शिशुपाल के घर का दरवाज़ा खटखटाया था।
2. सिपाही शिशुपाल को दरबार में ले जाने के लिए उनके घर गए थे।
3. नवयुवक वास्तव में सम्राट अशोक थे।
4. सम्राट अशोक ने राजमुद्रिका शिशुपाल को पहना दी।
5. पहरेदार की हत्या सम्राट अशोक ने की थी।
6. सम्राट को गिरफ़्तार करने वाले उच्च अधिकारी का नाम धनवीर था।

II. लिखित कौशल

1. नवयुवक को देखकर शिशुपाल ने कहा, "यह मेरा सौभाग्य है। अतिथि के चरणों से यह घर पवित्र हो जाएगा। आइए, पधारिए।"
2. शिशुपाल और नवयुवक उस समय की देश की अवस्था पर बातें करने लगे।
3. सम्राट अशोक शिशुपाल को न्याय-मंत्री बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने शिशुपाल को दरबार में बुलाया था।
4. अपराधी का पता लगने पर शिशुपाल के मन में विचार आया कि वे करें भी तो क्या करें? एक ओर वे न्याय-मंत्री हैं और दूसरी ओर सम्राट के सेवक।
5. न्याय-मंत्री ने अपने उच्च अधिकारी को आज्ञा दी कि वह सम्राट अशोक को गिरफ़्तार कर लें।
6. न्याय-मंत्री ने सम्राट को पहरेदार की हत्या करने के अपराध में सज़ा सुनाई।
7. शास्त्रों में राजा को ईश्वर का रूप माना गया है इसलिए उसे ईश्वर ही दंड दे सकता है। अतः राजा के स्थान पर सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटका दिया गया और सम्राट को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।
8. राजमुद्रिका लौटाने पर सम्राट ने शिशुपाल से कहा, "आपने मेरी आँखें खोल दी हैं। आपका साहस प्रशंसनीय है। यह बोझ आपके अतिरिक्त और कोई नहीं उठा सकता।"
9. (क) कोई भी व्यक्ति दूसरे के कामों में आसानी से गलती निकाल सकता है परंतु स्वयं आगे बढ़कर कुछ नया कर दिखाना बहुत कठिन काम है।
   (ख) सब इनसान ईश्वर की दृष्टि में एक समान हैं। कोई छोटा या बड़ा नहीं। इसी प्रकार न्याय की दृष्टि में भी अमीर हो या गरीब, राजा हो या प्रजा सब एक समान हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (घ) (च) (ख) (क) (ङ) (ग)
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

(क) शिशुपाल का परीक्षा में सफल होना बताता है कि वे एक ईमानदार, बुद्धिमान और साहसी न्याय-मंत्री थे। न्याय करते हुए वे एक सम्राट को भी दंड देने से पीछे नहीं हटे।

(ख) सज़ा पाने के बावजूद भी सम्राट के गद्गद होने से पता चलता है कि वे न्याय-प्रिय राजा थे। वे यह सोचकर खुश थे कि उनके दरबार में एक निडर और कर्तव्यनिष्ठ न्याय-मंत्री हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) निद्रा (ख) गृह (ग) मुख (घ) रात्रि (ङ) हस्त (च) सत्य
2. (क) दुर्गम (ख) सुगम (ग) दंडित (घ) दंडनीय (ङ) शिक्षित (च) अशिक्षा
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. अतिथि, अवस्था, अवसर, अपराधी, अशोक, अधिकारी, अन्याय, अतएव
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 5. ऐसे थे पंडित रविशंकर

I. मौखिक कौशल

1. लेखिका के भाई का नाम यज्ञेश्वर था।
2. लेखिका की माँ के पास फ़िएट कार थी।
3. डॉ॰ नगेंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी विषय के प्रोफ़ेसर के पद पर कार्यरत थे।
4. पंडित रविशंकर का साक्षात्कार 'कादंबिनी' नामक पत्रिका में छपा था।
5. डॉ॰ शंकरदयाल सिंह राज्यसभा के सदस्य थे।
6. कनाट प्लेस में लेखिका की माँ की मुलाकात पंडित रविशंकर से हुई थी।

II. लिखित कौशल

1. लेखिका की माँ के अनुसार, 'सुर कानों में पड़ना चाहिए' इसलिए संगीत से प्रेम न होने पर भी लेखिका को संगीत समारोहों में जाना पड़ता था।
2. बार-बार संगीत समारोहों में जाने से लेखिका का संगीत से गहरा लगाव हो गया। वे बहुत सारे कलाकारों को पहचानने लगी थीं।
3. पंडित रविशंकर द्वारा लेखिका की माँ की गाड़ी को धक्का लगाने वाला दृश्य लेखिका की अंतरात्मा में आज भी अंकित है।
4. पंडित रविशंकर जब भी लेखिका से मिलते तो वे ऐसा महसूस करवाते, जैसे लेखिका से महत्वपूर्ण और कोई व्यक्ति उनके पास नहीं हो। मिलते भी इतनी आत्मीयता से मानो वे लेखिका की ही प्रतीक्षा कर रहे हों। यही कारण था कि पंडित रविशंकर से मिलने पर लेखिका को हमेशा किसी बहुत बड़े बरगद के पेड़ तले आकर खड़े होने का आभास होता था।
5. पंडित रविशंकर दिल्ली आने पर मालचा मार्ग में सुमित्रा भरतराम जी के घर पर ठहरते थे।
6. लेखिका दिल्ली छोड़कर विशाखापतनम जा रही थीं।
7. डॉ॰ शंकरदयाल सिंह ने पंडित रविशंकर द्वारा लेखिका को दुशाला ओढ़वाकर सम्मान दिया था।
8. कनाट प्लेस में लेखिका की माँ से पंडित रविशंकर ने पूछा था कि बहन जी, आप सुनीता जी की माता जी हैं न?

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस प्रसंग से रविशंकर जी के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि उनका जीवन सादगी भरा था। उन्हें अपनी प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि का किंचित मात्र भी अहंकार नहीं था। वे दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते थे।
2. इस सूची में सज्जनता, विनयशीलता, दूसरों की सहायता करना, सादा जीवन उच्च विचार, कला-प्रेम तथा मिलनसार स्वभाव जैसी विशेषताएँ शामिल हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) दूरभाष (ख) द्वार (ग) वर्षा (घ) प्राध्यापक
2. (क) भाववाचक संज्ञा (ख) भाववाचक संज्ञा (ग) सर्वनाम (घ) सार्वनामिक विशेषण (ङ) विशेषण (च) संज्ञा (छ) क्रियाविशेषण (ज) क्रिया
3. (क) प्रतीक्षा (ख) कार्यक्रम (ग) महत्वपूर्ण (घ) धक्का (ङ) शीतलता (च) सम्मानित
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) समारोह (ख) असमंजस (ग) सितारवादन

   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 7. मेरा नया बचपन

I. मौखिक कौशल

1. कवयित्री को अपना बचपन याद आ रहा है।
2. इस कविता के रचनाकार का नाम सुभद्राकुमारी चौहान है।
3. कवयित्री की बेटी ने 'माँ ओ' कहकर आवाज़ लगाई थी।

II. लिखित कौशल

1. बचपन में किसी बात की चिंता नहीं रहती। खेलना-कूदना और मौज-मस्ती करना बचपन के आनंद हैं इसलिए कवयित्री को बचपन की याद बार-बार आ रही है।
2. बचपन में ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा आदि का ज्ञान नहीं होता है।
3. कवयित्री को अपना बचपन बहुत प्यारा है क्योंकि बचपन चिंतारहित होता है इसलिए कवयित्री पुनः बच्ची बन जाना चाहती हैं।
4. कवयित्री की बिटिया उन्हें मिट्टी खाने को दे रही थी।
5. कवयित्री अपनी बिटिया में अपना बचपन जी कर बचपन का आनंद लेती हैं।
6. (क) बचपन में सब चिंतारहित खेलते-खाते हैं तथा बिना किसी डर के आज़ाद होकर घूमते हैं। अतः बचपन का वह अतुलित आनंद भुलाया नहीं जा सकता।
   (ख) कवयित्री कल्पना करते हुए कह रही हैं कि मैंने फिर से अपना बचपन अपनी बेटी में पा लिया है। उसकी मन को मुग्ध कर देने वाली मूर्ति देखकर मुझमें नवजीवन आ गया है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) दूध, सुधा, किलकारी, आबाद (ख) बचपन, बेटी, मंजुल-मूर्ति, नवजीवन
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

बिटिया के आने से कवयित्री बहुत आनंदित हुईं। इससे पता चलता है कि कवयित्री अपनी बिटिया से बहुत प्यार करती हैं तथा वे अपनी बेटी के रूप में अपना बचपन फिर से पाकर खुश हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) भुलावा (ख) रुलाई (ग) तुतलाहट (घ) आनंदित (ङ) सरलता (च) बचपन
2. (क) की (ख) को (ग) के (घ) का (ङ) की (च) को (छ) के
3. (क) (iii) (ख) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) अश्रु (ख) अमृत (ग) अतुलित (घ) अपनापन
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 8. अंतिम युद्ध

I. मौखिक कौशल

1. रानी लक्ष्मीबाई ने दामोदर राव को सुरक्षित पहुँचाने का ज़िम्मा रामचंद्र देशमुख को दिया था।
2. दामोदर राव रानी लक्ष्मीबाई का दत्तक पुत्र था।
3. रानी लक्ष्मीबाई ने जूही को तोपखाने पर भेज दिया।
4. पेशवा की पलटन पर ब्रिगेडियर स्मिथ की पलटन ने आक्रमण किया।
5. घायल लक्ष्मीबाई को बाबा गंगादास की कुटी पर ले जाया गया।

II. लिखित कौशल

1. रघुनाथसिंह ने मुंदरबाई से कहा कि रानी साहिबा का साथ एक क्षण के लिए भी न छूटने पावे। आज अंतिम युद्ध लड़ने जा रही हैं।
2. रानी लक्ष्मीबाई ने रामचंद्र देशमुख को आदेश दिया कि दामोदर को आज तुम पीठ पर बाँधो। यदि मैं मारी जाऊँ तो इसको किसी प्रकार दक्षिण सुरक्षित पहुँचा देना। तुम्हें आज मेरे प्राणों से बढ़कर अपनी रक्षा की चिंता करनी होगी।
3. जूही को अपने जीवन का यथोचित अभिनय न दिखला पाने का अफ़सोस रह गया था।
4. अंग्रेज़ जनरल ने घुड़सवारों को कई दिशाओं में फैलाकर आक्रमण करने की योजना बनाई थी।
5. ब्रिगेडियर स्मिथ की पलटन रानी के पीछे-पीछे चल रही पेशवा की पलटन पर दो ओर से झपटी। इससे पेशवा की पलटन घबरा गई। उसके पैर उखड़ गए। अंग्रेज़ों की संगीनें और तोपें उस पलटन का संहार कर उठीं। पेशवा की दो तोपें भी उनलोगों ने छीन लीं।
6. तात्या टोपे कठिन-से-कठिन व्यूह में से होकर बच निकलने की रण-विद्या में निपुण थे।
7. लड़ते-लड़ते घायल रानी आगे निकल गईं। उन्होंने सोनरेखा नाले की ओर घोड़े को बढ़ाया। कुछ अंग्रेज़ घुड़सवार उनके पीछे-पीछे थे। एक गोरे ने पिस्तौल निकाली और रानी पर दाग दी। गोली उनकी बाईं जाँघ में जा लगी। रानी ने बाएँ हाथ की तलवार फेंककर घोड़े की लगाम पकड़ी और दाएँ हाथ के वार से गोरे का काम तमाम कर दिया। रानी ने आगे बढ़ने के लिए घोड़े को एड़ लगाई। बहुत प्रयत्न करने पर भी घोड़ा अड़ा रहा। रानी को पीछे खिसकना पड़ा। जाँघ में बहुत पीड़ा हो रही थी। पेट और जाँघ के घाव से खून के फव्वारे छूट रहे थे। इस बीच एक अन्य अंग्रेज़ सैनिक आगे बढ़ा और उसने रानी के सिर पर तलवार का वार किया। इससे रानी बुरी तरह घायल हो गईं। इसपर भी उन्होंने उस घातक पर तलवार चलाई और उसका कंधा काट दिया। इसके बाद रानी वीरगति को प्राप्त हो गईं।
8. रघुनाथसिंह ने देशमुख से कहा, "एक क्षण का भी विलंब नहीं करना चाहिए। अपने घोड़े पर इनको सावधानीपूर्वक रखो और बाबा गंगादास की कुटी पर ले चलो। सूर्यास्त होना ही चाहता है।"
9. रघुनाथसिंह ने गुलमुहम्मद को समझाया, "कुँवर साहब, इस प्रकार भावुक होने से काम और बिगड़ेगा। अंग्रेज़ अब भी मारते-काटते दौड़-धूप कर रहे हैं। यदि आ गए तो रानी साहिबा की देह का क्या होगा।"

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) शरबत (ख) एड़ (ग) तोपें (घ) कटार (ङ) गंगादास
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. रानी लक्ष्मीबाई बहुत बहादुर थीं। अंग्रेज़ों की गुलामी उन्हें बिलकुल भी सहन नहीं थी इसलिए वे चाहती थीं कि मारी जाने के बाद भी अंग्रेज़ उनके शरीर को छू न पाएँ।
2. जूही के चरित्र में साहस, आज्ञापालन, निडरता तथा देश-प्रेम जैसे मानवीय गुणों की झलक मिलती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) यथोचित – स्वर संधि (ख) उल्लास – व्यंजन संधि (ग) सूर्यास्त – स्वर संधि (घ) दुर्भाग्य – विसर्ग संधि (ङ) सूर्योदय – स्वर संधि (च) नमस्कार – विसर्ग संधि
2. (क) अंतिम (ख) बैरी (ग) सुरक्षित (घ) होशियार (ङ) चिंतित (च) विधर्मी
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (1) मीरा कुमार (2) सुचेता कृपलानी (3) आनंदी बाई जोशी (4) किरण बेदी (5) सावित्री बाई फुले (6) सरोजिनी नायडू

   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 9. ईमानदार बालक

I. मौखिक कौशल

1. सामान बेचने वाले बालक का नाम बसंत था।
2. कृष्ण कुमार राजकिशोर जी के परिचित थे।
3. प्रताप राजकिशोर जी का घर ढूँढ़ रहा था।
4. बसंत अपने चाचा भीखू महाजन के घर में रहता था।

II. लिखित कौशल

1. बसंत ने राजकिशोर जी के पास पहुँचकर कहा कि साहब! बटन लीजिए, देशी बटन! साहब! माचिस लीजिए!
2. कृष्ण कुमार ने लड़के के बारे में राय दी थी कि बाज़ार के हर कोने पर आजकल ऐसे लड़के मिलते हैं। जिनका काम गिड़गिड़ाकर लोगों को ठगना है।
3. बसंत मोटरगाड़ी के नीचे आ गया था इसलिए रुपये छुट्टे कराकर वापस नहीं लौटा।
4. प्रताप ने अपने माता-पिता के बारे में बतलाया कि पिछले वर्ष जो दंगा हुआ था, उसमें हमारे माँ-बाप को किसी ने मार डाला था।
5. राजकिशोर जी ने मानसिंह को आदेश दिया कि मैं दक्खिन टोला जा रहा हूँ। तुम इसी समय डॉक्टर को लेकर वहाँ जल्दी आओ। भीखू महाजन का घर पूछ लेना।
6. डॉक्टर साहब ने बसंत के पैरों की जाँच करके कहा कि ऐसा लगता है कि एक पैर की हड्डी टूट गई है। इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।
7. बसंत ईमानदार बालक है इसलिए राजकिशोर जी बसंत की मदद करना चाह रहे थे।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (ख) (घ) (च) (क) (ङ)
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. बसंत मोटरगाड़ी के नीचे आकर घायल हो गया था इसलिए राजकिशोर जी के छुट्टे पैसे नहीं लौटा पाया था। बसंत को लगा कि कहीं राजकिशोर जी उसे चोर न समझें। इस वाक्य से बसंत के चरित्र के बारे में पता चलता है कि वह एक ईमानदार बालक है।
2. राजकिशोर जी ने ऐसा इसलिए कहा था यदि बसंत के साथ दुर्घटना न होती तो वह उनके पैसे लौटा देता। चोट लगने के बाद भी बसंत को पैसे न लौटा पाने का दुख है। इससे राजकिशोर जी के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे दूसरों के अंदर छिपे गुणों को पहचानने का अच्छा अनुभव रखते थे और गरीबों की मदद करने के लिए भी तैयार रहते थे।

V. भाषा कौशल

1. (क) विशेषण (ख) सर्वनाम (ग) सर्वनाम (घ) सर्वनाम (ङ) विशेषण (च) सर्वनाम (छ) सर्वनाम (ज) विशेषण
2. (क) भिक्षा (ख) भ्राता (ग) कार्य/कर्म (घ) अस्थि
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) परिचय, परिचित (ख) बेहोश, होश (ग) ईमानदार, बेईमान
   (घ) टोला, टोली (ङ) भला, भलाई
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 10. सत्साहस

I. मौखिक कौशल

1. इस पाठ में तीन प्रकार के साहस का वर्णन किया गया है।
2. बादशाह अकबर ने शूरवीरों से पूछा कि तुम क्या काम करते हो?
3. मारवाड़ क्षेत्र की महिलाएँ बुद्धन सिंह और उनके वीर साथियों की वीरता के गीत गाती हैं।

II. लिखित कौशल

1. क्रोध में अच्छे–बुरे का ध्यान खोकर स्वार्थवश साहस करने को प्रशंसनीय नहीं कहा जा सकता।
2. मध्यम श्रेणी का साहस शूरवीरों में पाया जाता है।
3. बादशाह की आज्ञा पर शूरवीरों ने घोड़ों पर सवार होकर अपने–अपने बरछे सँभाले और अकबर के सामने ही एक–दूसरे पर वार करने लगे। बादशाह के देखते–देखते दोनों घोड़ों से नीचे आ गिरे और मरणासन्न हो गए।
4. सर्वोच्च श्रेणी के साहस में जिन गुणों का होना आवश्यक है, वे हैं—हृदय की पवित्रता, उदारता और चरित्र की दृढ़ता।
5. मारवाड़ के मौरुदा गाँव के ज़मींदार बुद्धन सिंह किसी झगड़े के कारण स्वदेश छोड़कर जयपुर चले गए और वहीं बस गए। थोड़े ही दिनों बाद मराठों ने मारवाड़ पर आक्रमण कर दिया। यद्यपि बुद्धन मारवाड़ को हमेशा के लिए ही छोड़ चुके थे तथापि शत्रुओं के आक्रमण का समाचार पाकर और मातृभूमि को संकट में पड़ा हुआ जानकर उनका रक्त उबल पड़ा। वे अपने संग डेढ़ सौ साथियों को लेकर, बिना किसी से पूछे जयपुर से तुरंत चल पड़े। सही समय पर अपने देश और राजा की सेवा करने के लिए बुद्धन सिंह मौरुदा गाँव पहुँच गए। मारवाड़ क्षेत्र की महिलाएँ आज भी बुद्धन सिंह और उनके वीर साथियों की वीरता के गीत गाती हैं।
6. सत्साहसी व्यक्ति में एक अदृश्य शक्ति रहती है, जिसके बल पर वह दूसरे मनुष्य को कष्ट से उबारने के लिए प्राण तक देने को प्रस्तुत हो जाता है। अपने देश या परिवारवालों के ही लिए नहीं, अपितु संकट में पड़े हुए अपरिचित व्यक्ति की सहायतार्थ भी उसी शक्ति की प्रेरणा से वह संकट का सामना करने को तैयार हो जाता है। अपने प्राणों की वह लेशमात्र भी परवाह नहीं करता। वह हर प्रकार की कठिनाइयों को प्रसन्नतापूर्वक सहता है और स्वार्थ के विचारों को अपने पास फटकने तक नहीं देता।
7. (क) बादशाह अकबर के दरबार में आए दोनों शूरवीर एक–दूसरे पर वार करने लगते हैं और लड़ते–लड़ते मरणासन्न स्थिति में पहुँच जाते हैं। ज्ञान के अभाव में मनुष्य के अंदर का साहस व्यर्थ के कामों में नष्ट हो जाता है। अतः साहसी पुरुष के अंदर ज्ञान की आभा का होना ज़रूरी है।

   (ख) किसी भी प्रकार के साहस के लिए मनुष्य का कर्तव्य–परायण होना ज़रूरी है। इनसान का कर्तव्यबोध ही उसके अंदर सच्चे साहस का संचार करता है। मनुष्य द्वारा किए गए किसी भी काम की सार्थकता तभी सिद्ध होती है जब वह उस काम को अपना कर्तव्य समझकर करता है, बोझ समझकर नहीं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ में सच्चा साहस, कर्तव्य–परायणता, देश–प्रेम, उदारता तथा दृढ़ता जैसे जीवन मूल्यों की चर्चा की गई है।
2. इस घटना से पता चलता है कि बुद्धन सिंह अपनी मातृभूमि से बहुत प्रेम करते थे। वे सच्चे साहसी पुरुष थे इसलिए मातृभूमि को संकट में पड़ा हुआ जानकर उनका रक्त उबल पड़ा।

V. भाषा कौशल

1. (क) अविकारी (ख) अविकारी (ग) विकारी (घ) अविकारी
   (ङ) अविकारी (च) विकारी (छ) अविकारी (ज) विकारी
2. (क) क्रोध + अंध (ख) निः + तेज (ग) मरण + आसन्न (घ) सहायता + अर्थ
3. (क) स्वार्थहीनता (ख) निर्भीकता (ग) पवित्रता (घ) उदारता
   (ङ) आवश्यकता (च) दृढ़ता
4. (क) रंक (ख) विदेश (ग) कुत्साहसी (घ) कायरता (ङ) अपवित्रता
   (च) उदारता (छ) निम्न (ज) अप्रशंसनीय
5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 11. भारत की अग्नि-पुत्री

I. मौखिक कौशल

1. टेस्सी थॉमस को 'अग्नि-पुत्री' तथा 'मिसाइल वुमन' नामों से जाना जाता है।
2. टेस्सी थॉमस को 'लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।
3. टेस्सी थॉमस सन् 1988 में 'अग्नि परियोजना' से जुड़ी थीं।
4. टेस्सी थॉमस डी॰आर॰डी॰ओ॰, हैदराबाद में कार्यरत हैं।

II. लिखित कौशल

1. नारियों के संबंध में अब यह सोच नहीं रही कि नारियाँ घर की चारदीवारी के अंदर के कामों को ही कुशलतापूर्वक कर सकती हैं।
2. बचपन में एक दिन टेस्सी थॉमस को स्कूल के बच्चों के साथ तिरुवनंतपुरम स्थित थुंबा रॉकेट स्टेशन दिखाने ले जाया गया था। वह दिन उनके लिए अविस्मरणीय दिन था जब उन्होंने वैज्ञानिक बनने का सपना देखा था।
3. टेस्सी थॉमस ने गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिचूर से बी.टेक. और इंस्टीट्यूट ऑफ़ आर्मामेंट टेक्नोलॉजी, पुणे से एम॰टेक॰ की पढ़ाई पूरी की।
4. टेस्सी थॉमस के अनुसार, जब उन्हें 'अग्नि-4' की टीम का प्रमुख चुना गया तब उनके वैज्ञानिक जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ आया। 'अग्नि-4' की सफलता के बाद 'अग्नि-5' की टीम में भी उन्हें परियोजना निदेशक का भार सौंपा गया।
5. टेस्सी थॉमस ने अपने पिता के बारे में बताया कि जब वह आठवीं कक्षा में थी, वे लकवाग्रस्त हो गए थे। इस कारण उनका शेष जीवन बिस्तर पर ही बीता। सन् 1991 में उनका देहांत हो गया। वह उन्हें बराबर याद करती हैं क्योंकि जब उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई का निर्णय लिया तो सबसे पहले उन्होंने ही उनके इस निर्णय को सराहा था। इससे उन्हें बहुत आत्मबल मिला।
6. युवा महिलाओं के लिए टेस्सी थॉमस ने संदेश दिया है कि उनके लिए ज़रूरी है कि उनके अंदर सीखने की इच्छा हो और चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हो। तभी वे जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) तेजस (ख) 2012 (ग) वेपन
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. टेस्सी थॉमस के जीवन से हम प्रेरणा ले सकते हैं कि हमें दृढ़-संकल्प होना चाहिए। हमारे अंदर कुछ नया सीखने की ललक कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। हमें अपना काम परिश्रम एवं लगन से करना चाहिए।
2. इस कथन से टेस्सी थॉमस के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे अपनी माँ से बहुत प्रेम करती थीं। टेस्सी की सफलता के पीछे उनकी माँ का अदृश्य योगदान छिपा हुआ है जिसे वे कभी भुला नहीं सकतीं।

V. भाषा कौशल

1. (क) सफलता (ख) पढ़ाई (ग) अपेक्षित (घ) ऐतिहासिक
   (ङ) वैचारिक/विचारणीय (च) साहसिक (छ) वैज्ञानिक (ज) प्रमुखता
2. (क) मिसाइलें (ख) नारियाँ (ग) महिलाएँ (घ) इच्छाएँ (ङ) चुनौतियाँ (च) प्रणालियाँ
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (ii) (च) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) नाग (ख) पृथ्वी (ग) अग्नि (घ) त्रिशूल (ङ) ब्रह्मोस (च) आकाश
2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।
4. (क) भारत कोकिला (ख) अंतरिक्ष परी (ग) स्वर कोकिला/स्वर साम्राज्ञी
   (घ) उड़नपरी

जाँच पत्र-1
(पाठ 1-11 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) काँटे तितलियों के पंख कतर देते हैं।

(ख) श्यामा ने कमरे में आकर सूचना दी कि अंडे नीचे पड़े हैं तथा बच्चे उड़ गए।

(ग) पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से गोपाल कृष्ण गोखले जी की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने की अनुमति माँगी है।

(घ) सम्राट अशोक शिशुपाल को न्याय-मंत्री बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने शिशुपाल को दरबार में बुलाया था।

(ङ) पंडित रविशंकर जब भी लेखिका से मिलते तो वे ऐसा महसूस करवाते, जैसे लेखिका से महत्वपूर्ण और कोई व्यक्ति उनके पास नहीं हो। मिलते भी इतनी आत्मीयता से मानो वे लेखिका की ही प्रतीक्षा कर रहे हों। यही कारण था कि पंडित रविशंकर से मिलने पर लेखिका को हमेशा किसी बहुत बड़े बरगद के पेड़ तले आकर खड़े होने का आभास होता था।

(च) ईमानदारी तथा स्वाभिमान जैसे मानवीय गुणों का पता चलता है। जीवन में ये गुण आवश्यक हैं, इनसे ही एक अच्छे चरित्र का निर्माण होता है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए –

(क) इन पंक्तियों का भावार्थ है कि फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेने, एक-सी वर्षा और हवा प्राप्त करने के बाद भी अपना अलग-अलग स्वभाव रखते हैं। इसी प्रकार एक ही घर में जन्म लेने तथा समान सुविधाएँ पाने पर भी एक माता-पिता की संतान एक जैसे स्वभाव की नहीं होती।

(ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि कवयित्री अपने बचपन को सदियों से ढूँढ़ रही थी, वही बचपन उसने अपनी बेटी के रूप में दोबारा पाया है। वह उसमें अपना बचपन देखती है। कवयित्री जब बड़ी हो गईं तो उन्हें लगता था कि उनका बचपन उन्हें कहीं छोड़कर भाग गया है और उसे खोजते-खोजते उन्होंने अपनी बेटी के रूप में बचपन को पा लिया था।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) एड़ (ख) कर्तव्य (ग) प्रेरणा (घ) उत्सुक (ङ) आनंद

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) तीन अंडे (ख) मस्तक (ग) तुरंत (घ) जहाँपनाह (ङ) आपको

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (iii) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) गुरु हमारा मार्गदर्शन करते हैं। (ख) परमवीर चक्र सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है।

(ग) हम मेले में जाने के लिए उत्सुक थे। (घ) हमारा निश्चय सुदृढ़ होना चाहिए।

(ङ) अपने सामान की स्वयं ही हिफ़ाज़त करो।

(च) राजकिशोर ने ईमानदार बालक की मदद की।

पाठ 13. गिरिधर की कुंडलियाँ

I. मौखिक कौशल

1. नाव में पानी भर जाए तो दोनों हाथों से उलीचना चाहिए।
2. जो बिना विचारे काम करता है उसे काम बिगड़ने के बाद पछताना पड़ता है।

II. लिखित कौशल

1. कवि ने परमार्थ के कार्य के लिए अपना शीश भी गँवा देने की बात कही है।
2. किसी काम को प्रारंभ करने के पहले बहुत सोच-विचार कर लेना चाहिए।
3. (क) गिरिधर कविराय कहते हैं कि बड़े व्यक्ति की यही पहचान होती है कि वह सभी के साथ अच्छा व्यवहार रखता है और अपनी इज़्ज़त बनाए रखता है।

   (ख) गिरिधर कविराय कहते हैं कि उस दुख को नहीं टाला जा सकता। जो बिना सोचे-विचारे किसी काम को करने से उत्पन्न होता है। वह दुख हमेशा हृदय में खटकता रहता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही **2.** (क) (iii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें दूसरों का उपकार करना चाहिए। हमें अपना व्यवहार कोमल रखना चाहिए तथा सोच-विचारकर ही कोई काम करना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) बिगाड़े (ख) दोनों (ग) वाणी/बोली (घ) पीछे
2. (क) खाना खाने से पहले अच्छी तरह हाथ धो लेने चाहिए।

   (ख) उसकी चाल बहुत धीमी थी इसलिए देर हो गई।

   (ग) हमें दूसरों के सुख में ही नहीं दुख में भी शामिल होना चाहिए।

   (घ) हमें अपना घर साफ़-सुथरा रखना चाहिए।

   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (1) नौका (2) नाविक (3) काम (4) विश्व (5) चमक
2. तथा **3.** बच्चे स्वयं करें।
4. कुंडलियाँ छह पंक्तियों की होती हैं तथा चौपाइयों में चार पंक्तियाँ होती हैं। कुंडलियाँ जिस शब्द से शुरू होती हैं उसी शब्द से समाप्त होती हैं।

पाठ 14. अक्षय धन

I. मौखिक कौशल

1. डिप्टी साहब मुंशी निरंजनलाल स्कूल का निरीक्षण करने आ रहे थे।
2. प्रधानाचार्य जी का नाम बाबू नारायण सिंह था।
3. रोशनलाल पाँचवीं कक्षा में पढ़ता था।
4. 'मुसद्दीलाल' शब्द के उच्चारण से बच्चे अपनी हँसी नहीं रोक पाए।
5. आदर्श शिक्षक का राष्ट्रपति पुरस्कार पुराकुर्थी गाँव के स्कूल के प्रधानाचार्य बाबू नारायण सिंह को मिला था।
6. डिप्टी साहब के नए अधिकारी का नाम रोशनलाल था।

II. लिखित कौशल

1. प्रधानाचार्य जी ने स्कूली बच्चों की सहायता से साफ़-सफ़ाई कराई थी। स्कूल के मैदान में एक भी घास दिखाई नहीं दे रही थी। डिप्टी साहब की खातिरदारी के लिए किसी भी बात की कोई चूक नहीं छोड़ी गई थी।
2. प्रधानाचार्य जी का पूरे क्षेत्र में दबदबा था। वे स्कूल में जिधर निगाह उठाकर देखते उधर अपने आप अनुशासन कायम हो जाता था। वे स्वयं एक अनुशासित व्यक्ति थे।
3. डिप्टी साहब ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, "इसमें हँसने की कौन-सी बात है? किसी व्यक्ति का नाम चाहे कुछ भी क्यों न हो, वह उसके व्यक्तित्व की महिमा को कम नहीं कर सकता। इनसानियत के गुण व्यक्ति को महान बना देते हैं। सभी बच्चे गुणों की खान हैं। कोई एक क्षेत्र में आगे हो सकता है तो कोई दूसरे क्षेत्र में। इसमें उसका नामकरण कहीं भी आड़े नहीं आएगा।"
4. अपनी निरीक्षण-टिप्पणी में डिप्टी साहब ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रतिभा गाँव में भी विद्यमान है। यद्यपि नगरीय चकाचौंध में तकनीकी विकास का रंग वहाँ के छात्रों पर दिखाई देता है किंतु गाँव के सादगी भरे जीवन में प्रतिभा की मौलिकता दिखाई देती है। ग्रामीण परिवेश के संस्कारों के अनुशासन में बँधे इन बच्चों को यदि शिक्षा का उचित वातावरण मिल जाए तो ये अपनी प्रतिभा की मौलिकता का प्रदर्शन हर क्षेत्र में कर पाएँगे।
5. निरीक्षण-टिप्पणी के बाद प्रधानाचार्य जी शिक्षा के प्रति और अधिक तल्लीन हो गए। वे विद्यार्थियों का अलग-अलग तरीके से आकलन करते, जिसमें जिस क्षेत्र की प्रतिभा दिखाई देती, उसे उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते।
6. मुसद्दीलाल को उसकी ठेली से सामान खरीदकर खाते हुए बच्चों के शहंशाही हाव-भाव देखकर अधिक आनंद आता था।
7. डिप्टी साहब ने नए अधिकारी के कक्ष में संकोच भाव के साथ अनुशासित ढंग से प्रवेश किया तथा अपना परिचय दिया। अधिकारी ने उन्हें कुर्सी पर बैठ जाने का संकेत दिया। अचानक अधिकारी महोदय खड़े होकर कहने लगे कि आप डिप्टी साहब निरंजनलाल तो नहीं हैं? फिर उनमें आपस में काफ़ी बातें हुईं।

8. (क) इन पंक्तियों में बाबू नारायण सिंह के व्यक्तित्व के बारे में वर्णन किया गया है। वे कर्तव्यनिष्ठ तथा अनुशासित व्यक्ति थे। वे अपने दायित्वों का निर्वहन करना देश-सेवा जैसा समझते थे। जब कोई व्यक्ति अपने काम को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से पूरा करता है तो उस काम का सकारात्मक प्रभाव सब पर पड़ता है। यह उस व्यक्ति की कर्तव्यनिष्ठा का ही प्रभाव होता है।
   (ख) किसी व्यक्ति का नाम उसे महान नहीं बनाता अपितु उसके इनसानियत के गुण, उसका चरित्र तथा उसके कर्म ही उसे महान बनाते हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) गलत (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. प्रधानाचार्य जी के व्यक्तित्व में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं दायित्व निर्वहन जैसे मानवीय मूल्यों की झलक मिलती है।
2. डिप्टी साहब के व्यक्तित्व से ईमानदारी, संतोष, अनुशासन तथा सादगी जैसे मानवीय गुणों को सीखा जा सकता है। पदोन्नति के कई प्रस्तावों को उन्होंने स्वीकार ही नहीं किया। ऐसा करके उन्होंने त्याग की भावना को भी प्रदर्शित किया है।
3. डिप्टी साहब की सोच से पता चलता है कि मुसद्दीलाल को धन की लालसा नहीं थी। उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और प्यार बाँटने से बढ़ता है, घटता नहीं इसलिए उनके पास ऐसा अक्षय धन है जो बढ़ता ही जा रहा है।

V. भाषा कौशल

1. (क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) विशेषण पदबंध
   (घ) विशेषण पदबंध (ङ) क्रिया पदबंध (च) संज्ञा पदबंध
   (छ) क्रिया पदबंध (ज) विशेषण पदबंध
2. (क) श्याम जा रहा है और वह किसी के रोकने से नहीं रुकेगा।
   (ख) मैं राधा को समझाऊँगा, वह मेरी बात समझेगी।
   (ग) माँ नवीन को अपने हाथों से खाना खिलाएँगी।
   (घ) मैं ऋचा को अपने घर ज़रूर बुलाऊँगी।
   (ङ) लंदन वाले मामा जी दो दिन बाद आएँगे।
   (च) एक दिन मैं अपने लक्ष्य को अवश्य पाऊँगा।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
3. (क) के (ख) की (ग) के (घ) की (ङ) के
4. (क) विद्या + आलय (ख) प्रधान + आचार्य (ग) सम् + तुष्ट (घ) तत् + लीन
   (ङ) अति + अधिक (च) सु + आगत (छ) उत् + चारण (ज) वात + आवरण
5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. चैन, मैदान, सामान, बचपन, सावधान, अनुशासन
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 15. प्रधानमंत्री का चुनाव

I. मौखिक कौशल

1. आधी रात के समय राष्ट्रपति जी विशाल राष्ट्रपति भवन के बरामदे में टहल रहे थे।
2. राष्ट्रपति महोदय शरद जोशी जी को प्रधानमंत्री बनाना चाह रहे थे।
3. नींद खुलने पर लेखक का मन ग्लानि से भर गया।

II. लिखित कौशल

1. सपने में लेखक ने राष्ट्रपति जी को विशाल राष्ट्रपति भवन के बरामदे में टहलते हुए तथा बार-बार अपने आपसे प्रश्न करते हुए देखा।
2. राष्ट्रपति महोदय तर्क दे रहे थे कि दुर्घटना होगी तो कोई दुख प्रकट करने वाला भी तो चाहिए कुर्सी पर! हर साल देश में बाढ़ आती है, मज़बूत सीना कर हेलिकॉप्टर पर बैठ नज़ारा देखना होता है। अपीलें करनी होती हैं, विदेश जाना होता है, निर्णय टालने होते हैं, मामले विचाराधीन रखने होते हैं आदि-आदि।
3. लेखक ने आइने में अपनी शक्ल देखी, मुँह पर उँगलियाँ रखकर देखा, दाँत निपोरकर देखा, चेहरा आगे बढ़ाकर देखा, रीढ़ सीधी करके और सीना फुलाकर देखा। और अंत में, चेहरा लटकाकर देखा परंतु किसी भी कोण से अपने आपको प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं पाया। इसलिए लेखक प्रधानमंत्री नहीं बनना चाह रहे थे।
4. सपने में राष्ट्रपति भवन में लेखक यहाँ-वहाँ भाग रहे थे। वहाँ कई नौकर थे, चपरासी थे, माली थे, सबने मिलकर लेखक को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर इतने ज़ोर से पटका कि उनकी नींद खुल गई।
5. सुबह होने पर अखबारवाला अखबार डाल गया था। राष्ट्रपति महोदय ने लोकसभा भंग करके मध्यावधि चुनाव की आज्ञा दे दी थी। इस घटना का संबंध लेखक के सपने से नहीं है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) दूसरी (ख) राष्ट्र (ग) बाढ़ (घ) गालियाँ (ङ) सपना
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

प्रधानमंत्री के पद पर आसीन व्यक्ति के अंदर नेतृत्व क्षमता, देश-प्रेम, कर्तव्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा ईमानदारी का होना बहुत आवश्यक है।

V. भाषा कौशल

1. (क) कौन – प्रश्नवाचक (ख) कुछ – अनिश्चयवाचक (ग) क्या – प्रश्नवाचक (घ) कोई – अनिश्चयवाचक (ङ) कहाँ – प्रश्नवाचक (च) कुछ – अनिश्चयवाचक (छ) क्या – प्रश्नवाचक
2. (क) बेईमान (ख) कमज़ोर (ग) देश (घ) भरा (ङ) पीछे (च) स्वीकार
3. (क) उपाय, पशुओं का खाना (ख) पहले, एक दिशा (ग) पैर/चरण, ओहदा (घ) पत्ता, चिट्ठी/खत
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. राष्ट्रपति, महत्वपूर्ण, प्रधानमंत्री, मानसरोवर, लोकसभा, राजनीति
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. ओज़ोन की छतरी

I. मौखिक कौशल

1. टेढ़ी लोमड़ी हमेशा इस ताक में रहती थी कि दूसरों को उल्लू कैसे बनाए।
2. टेढ़ी लोमड़ी का मन था कि वह रोज़ सीधी मछली से मिले पर सीधी दूर-दूर रहती थी इसलिए टेढ़ी लोमड़ी सीधी मछली को नदी से बाहर आने के लिए कह रही थी।
3. इत्र की बोतल गयालाल बंदर लेकर आया था।
4. सीधी मछली ने सबको ओज़ोन की परत के बारे में बतलाया।

II. लिखित कौशल

1. लोमड़ी बड़ी चालाक थी। सारे जंगल में उसकी कुटिलता के किस्से प्रसिद्ध थे इसलिए जंगल के जानवरों ने उसका नाम 'टेढ़ी' रख दिया था।
2. नदी में रहने वाली सीधी मछली से लोमड़ी ने कहा, "दीदी, मैं तुमसे रोज़ मिलना चाहती हूँ पर तुम्हीं दूर-दूर रहती हो। कभी तो इस नदी से बाहर भी निकला करो।"
3. सीधी मछली ने बतलाया कि किसी समय धरती और चंद्रमा एक थे। बाद में अलग हुए। बड़ा टुकड़ा धरती बन गया और छोटा टुकड़ा चंद्रमा बनकर धरती के चारों ओर चक्कर लगाने लगा।
4. भोलूराम गधे को सीधी मछली की बातें सुनाई पड़ीं। उसे लगा कि सीधी दीदी बड़े ही काम की बात बता रही हैं इसलिए उसने ज़ोर-ज़ोर से रेंककर सारे वनवासियों को बुला लिया।
5. सीधी मछली ने ओज़ोन की परत के बारे में समझाया कि धरती के वायुमंडल में सबसे ऊपर है आयनमंडल। इससे नीचे धरती की ओर आएँ तो ओज़ोन छितराया हुआ है। यह ज़रा नीलापन लिए एक गैस है जिसे ऑक्सीजन की बहन ही समझो। इसी के कारण ज़मीन पर जीवन संभव हुआ।
6. सीधी मछली को चिंता सता रही थी कि अगर हमारे वायुमंडल की ओज़ोन की छतरी में खराबी आ जाए या वह नष्ट हो जाए तो सूरज की तेज़ गर्मी हम सब नहीं सह पाएँगे।
7. सीधी मछली ने बंदर को इसलिए डाँटा क्योंकि वह एक बोतल से सबके ऊपर खुशबू का छिड़काव कर रहा था। उस बोतल में एक रासायनिक इत्र था जिसे 'ऐरोसोल' कहते हैं। इसके कण हवा में तैरते हुए ओज़ोन की परत तक पहुँचते हैं। ये कण ओज़ोन के साथ रासायनिक क्रिया करके उसको नष्ट कर देते हैं।
8. सीधी मछली के समझाने पर सारे जानवर उठ खड़े हुए और बड़े जोश से नारे लगाने लगे। वनराज सिंह ने सारे जंगल में 'ओज़ोन पर्व' मनाने की घोषणा की। सारे जानवरों ने तालियाँ बजाकर इस घोषणा का स्वागत किया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गयालाल (ख) भोलूराम (ग) गुल्लूराम (घ) टेढ़ी (ङ) सीधी
2. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

सीधी मछली से हम संदेश लेना चाहेंगे कि हमें अपने साथ-साथ दूसरों को भी पर्यावरण के रख-रखाव के प्रति जागरूक करना चाहिए। पर्यावरण के प्रति हमें अपनी ज़िम्मेदारी समझनी चाहिए तथा समस्या का समाधान निकालने का तरीका ढूँढ़ने की कला में पारंगत होना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) गाँव में स्त्रियाँ कुएँ से पानी भरकर लाती हैं।
(ख) बिजली एक बार आकर फिर चली गई।
(ग) राम ने रावण को मारकर धर्म की स्थापना की।
(घ) उन्होंने यहाँ बैठकर बहुत देर आपका इंतज़ार किया।
(ङ) कल सभी बच्चों को टाई लगाकर स्कूल आना है।
(च) गोपाल ने सौरभ की बात सुनकर अनसुनी कर दी।

2. (क) मूर्खता (ख) मीठा (ग) कुटिलता (घ) नीला (ङ) खुशबूदार

3. (क) तेज़ आवाज़ करता (ख) खुशबू से भरी बोतल (ग) उठ खड़े हुए
(घ) कोई साधारण (ङ) करोड़ों साल से (च) बरस रही थीं

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. हिंद महासागर का रत्न

I. मौखिक कौशल

1. मॉरीशस की राजधानी का नाम पोर्ट लुई है।
2. दिल्ली से मॉरीशस की यात्रा के बीच लेखक को नैरोबी ठहरने का अवसर मिला।
3. जंगल में मोटरें शेरों को घेरकर खड़ी थीं।
4. हिरणों के झुंड ने भाँप लिया था कि उनपर शेरों की नज़र पड़ चुकी है।
5. मॉरीशस का प्रमुख उद्योग चीनी है।
6. शिवरात्रि के समय मॉरीशसवासी जल लेने के लिए परी तालाब पर जाते हैं।

II. लिखित कौशल

1. लेखक ने मॉरीशस देश की यात्रा का वर्णन किया है।
2. लेखक ने बतलाया है कि नैरोबी का नेशनल पार्क चिड़ियाघर नहीं है, यह शहर से बाहर एक बहुत बड़ा जंगल है जिसमें घास अधिक तथा पेड़ कम हैं। जंगल में सर्वत्र अच्छी सड़कें बिछी हुई हैं और पर्यटकों की गाड़ियाँ उनपर दौड़ती रहती हैं।
3. हिरण इस बात को लेकर चौकन्ने हो गए थे कि शेरों की नज़र उनपर पड़ चुकी है। अतः उन्होंने चरना भी छोड़ दिया।
4. मॉरीशस की भाषा के बारे में लेखक ने बतलाया है कि यहाँ की राजभाषा अंग्रेज़ी और बोलचाल की भाषा क्रेयोल है। क्रेयोल के बाद मॉरीशस की दूसरी जनभाषा भोजपुरी को ही मानना पड़ेगा।
5. हिंदी और भोजपुरी भाषाओं ने मॉरीशस में रह रहे भारतीयों को एक सूत्र में बाँधने का काम किया है।
6. शिवरात्रि के समय मॉरीशसवासी हिंदू श्वेत वस्त्र धारण करके, कंधों पर काँवर लिए जुलूस बाँधकर, परी तालाब पर आते हैं और इस तालाब का जल लेकर अपने-अपने गाँव के शिवालयों को लौट जाते हैं।
7. मॉरीशस का परी तालाब हिंदुओं की अपार भक्ति के कारण पावन स्थल बन गया है। परी तालाब केवल तीर्थ ही नहीं, दृश्य से पिकनिक का स्थान भी है। लोग परी तालाब का जल शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। परी तालाब पर लगने वाला मेला मॉरीशस के प्रमुख आकर्षणों में से एक है और उसे देखने के लिए अन्य धर्मों के लोग भी काफ़ी संख्या में आते हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) काशी (ख) घास (ग) जिराफ़ (घ) किलोमीटर
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस वाक्य से मॉरीशस में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के बारे में यह पता चलता है कि वे लोग वहाँ रहकर भी अपनी भारतीय संस्कृति से उतना ही प्रेम करते हैं जितना यहाँ के लोग। वहाँ रहकर भी वे अपनी मूल भाषा से जुड़े हुए हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) मूल, मूल्य (ख) दिन, दीन (ग) श्याम, शाम (घ) अन्न, अन्य
(ङ) योग्य, योग (च) पावन, पवन

2. (क) राम + आयण (ख) निर् + अंतर (ग) शिव + आलय (घ) अति + अंत
(ङ) उत् + योग (च) सु + आगत (छ) उच्च + आयुक्त

3. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 19. सरिता का जल

I. मौखिक कौशल

1. यह कविता सरिता के जल से संबंधित है।
2. इस कविता में गंगा, यमुना तथा सरयू नदियों के नाम आए हैं।
3. इस कविता के रचयिता गोपाल सिंह 'नेपाली' हैं।

II. लिखित कौशल

1. नदी का जल निरंतर बहता रहता है। उसका कोई निश्चित रास्ता नहीं है। लहरें उठती-गिरती रहती हैं बिना थके, बिना रुके इसलिए नदी को तन का चंचल और मन का विह्वल कहा गया है।
2. कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि जल की तेज़ धार न जाने कितनी ही बाधाओं को पार करके आगे बढ़ती जाती है। वह बार-बार उठती है गिरती है मगर हार नहीं मानती।
3. (क) सरिता का बहता हुआ जल पेड़ों की जड़ों को सींचते हुए, जल की छोटी-छोटी धाराओं से आलिंगन करते हुए, जल-कुंडों में नृत्य करते हुए, अपना विविध रूप परिवर्तन करते हुए आगे बढ़ता जाता है।
   (ख) हिमखंडों के पिघलने से निर्मित जल धरती तक आते-आते निर्मल हो गया है। इसे पीकर बेचैन पथिक आराम पाता है। प्रतिदिन बहता हुआ भी सरिता का जल शीतल बना हुआ है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) तन, सरिता (ख) शीतल, अविरल 2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कविता से यह संदेश मिलता है कि हमें नदी की भाँति सदैव गतिशील रहना चाहिए। हमें अपना व्यवहार कोमल रखना चाहिए तथा दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए।
2. हमें ज़रूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। जो दूसरों के लिए जीते हैं उन्हीं का जीवन सार्थक माना जाता है। सरिता का बहता हुआ जल यही सीख देता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) इस नदी का पानी स्वच्छ, निर्मल और शीतल है।
   (ख) अहा! नदी का जल कितना शीतल है।
   (ग) गंगा, यमुना, सरयू और गोमती भारत की प्रमुख नदियाँ हैं।
   (घ) क्या तुम नदियों को प्रदूषण से बचाना चाहोगे?
   (ङ) किसने कहा कि नदियाँ पवित्र नहीं हैं?
   (च) नदी की लहरें बार-बार उठ गिर रही हैं।
2. (क) कठोर – गुणवाचक (ख) निर्मल – गुणवाचक
   (ग) मृदु – गुणवाचक (घ) कुछ – अनिश्चित संख्यावाचक (ङ) तीनों – संख्यावाचक
3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. साबरमती, गोमती, नर्मदा, कावेरी, सतलुज, चंबल, सरयू, झेलम, महानदी, गोदावरी, गंगा, चेनाव
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 20. मुतांदी

I. मौखिक कौशल

1. राजा साहब का वास्तविक नाम खंडासामी चित्तीयार था।
2. शंकरन राजा साहब का बेटा था। 3. शंकरन की पत्नी का नाम राधा था।
4. मुतांदी शंकरन के बेटे के लिए सोने के दो कड़े लेकर आया था।

II. लिखित कौशल

1. राजा साहब ने अपने बेटे का पालन-पोषण बड़े लाड़-प्यार से किया था।
2. मुतांदी राजा साहब का रसोइया था।
3. मुतांदी शंकरन को अपने कंधों पर बैठाकर गाँव भर में घुमाता था। उसे अपने हाथों से दाल-भात खिलाता। शंकरन की देखभाल वह अपनी संतान की तरह करता था।
4. मुतांदी ने मुनीम जी से मिली रकम से अपने गाँव में घर और ज़मीन खरीद ली।
5. मुतांदी का वेतन बढ़ाए जाने वाली बात राधा को पसंद न आई। उसने शंकरन से कहा था कि इसमें वेतन बढ़ाने की क्या बात है? हम दो ही तो लोग हैं। घर का काम थोड़े ही बढ़ गया है जो उनका वेतन बढ़ाया जाए।
6. दूसरे कमरे में बैठी राधा मुतांदी के घर छोड़कर चले जाने से प्रसन्न हो रही थी।
7. मुतांदी शंकरन के घर उत्सव पर आया था। उसने सोने के दो कड़े राधा को देते हुए कहा, "बहू। ये मेरे पोते के लिए हैं। इन्हें इसे पहना देना।" इतना कहकर मुतांदी बाहर की ओर निकल पड़ा। यह सब देखकर राधा की आँखें भर आई थीं।
8. (क) यह वाक्य शंकरन ने राधा से कहा था। शंकरन ने मुतांदी का वेतन बढ़ाया तो राधा को यह बात पसंद नहीं आई। जब राधा ने इसका विरोध किया तो शंकरन ने उसे चुप रहने के लिए कहा।
   (ख) मुतांदी जब उत्सव में से अपने घर लौटने लगा तो यह वाक्य राधा ने शंकरन से कहा था। राधा मुतांदी का प्रेम देखकर अपनी नफ़रत भुला चुकी थी तथा वह उन्हें अपने घर रोकना चाहती थी।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ख) (क) (घ) (च) (ग) (ङ) 2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से राजा साहब के बारे में यह पता चलता है कि वे अपने नौकर को भी अपने परिवार का अभिन्न अंग मानते थे तथा उससे प्रेमपूर्वक व्यवहार करते थे। उनका यह स्वभाव उनके व्यक्तित्व की उदारता को प्रकट करता है।
2. राधा के व्यवहार में आया बदलाव यह दिखाता है कि कोई भी इनसान बुरा नहीं होता। जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, उसके मन में किसी के प्रति उत्पन्न बदले की भावना समाप्त होती जाती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) जन्म का दिन, तत्पुरुष समास (ख) प्रत्येक दिन, अव्ययीभाव समास
   (ग) नाक और नक्शा, द्वंद्व समास (घ) रसोई के लिए घर, तत्पुरुष समास
   (ङ) दाल और भात, द्वंद्व समास (च) सबसे ऊपर, तत्पुरुष समास
   (छ) खाना और पीना, द्वंद्व समास

2. (क) मर जाना – राजा साहब ईश्वर को प्यारे हो गए थे।
   (ख) आँसू आना – शंकरन की बातें सुनकर मुतांदी की आँखें भर आईं।
   (ग) अत्यधिक क्रोधित होना – राधा की बात सुनकर शंकरन का चेहरा तमतमा गया।
   (घ) बहुत खुश होना – मुतांदी उत्सव में आकर खुशी से फूला न समाया।
   (ङ) भावुक हो जाना – शंकरन कुछ कहना चाहता था पर उसका गला भर आया।
   (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. **बाएँ से दाएँ–** (1) मालकिन (2) चाचा (4) शंकरन
   ऊपर से नीचे– (1) मालिक (3) चालीस
   शेष बच्चे स्वयं करें।

पाठ 21. नई सोच के धनी – स्टीव जॉब्स

I. मौखिक कौशल

1. स्टीव जॉब्स का पूरा नाम स्टीवन पॉल जॉब्स था।
2. स्टीव जॉब्स को स्टेनफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विशेष अतिथि बनाया गया था।
3. स्टीव जॉब्स ने रीड कॉलेज में प्रवेश लिया था।
4. एप्पल कंपनी की शुरुआत दो लोगों ने मिलकर की थी।
5. स्टीव जॉब्स कैंसर से पीड़ित हो गए थे।

II. लिखित कौशल

1. इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में स्टीव जॉब्स के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।
2. दीक्षांत समारोह में स्टीव जॉब्स ने तीन कहानियाँ सुनाई थीं।
3. स्टीव जॉब्स ने प्रवेश लेने के छह महीने के अंदर ही कॉलेज की पढ़ाई छोड़ दी थी।
4. कॉलेज में प्रवेश लेने के छह महीने बाद स्टीव जॉब्स को इस पढ़ाई का कोई महत्व समझ में नहीं आया। स्टीव जॉब्स को नहीं पता था कि उन्हें जीवन में क्या करना है और कॉलेज किस प्रकार से इसमें सहायता करेगा। इसके बावजूद वे अपने माता-पिता के जीवन भर की कमाई खर्च कर रहे थे इसलिए उन्होंने कॉलेज छोड़ने का निर्णय लिया। इन सब कारणों से उन्होंने इस निर्णय को अपने सबसे अच्छे निर्णयों में से एक माना है।
5. जॉन स्कली से कंपनी के भविष्य को लेकर मतभेद होने पर स्टीव जॉब्स को एप्पल कंपनी छोड़नी पड़ी थी।
6. एप्पल कंपनी छोड़ने के बाद स्टीव जॉब्स ने नेक्स्ट नामक कंपनी की स्थापना की। इसके एक वर्ष बाद उन्होंने जॉर्ज लुकास की पिक्सार नामक कंपनी खरीद ली।
7. स्टीव जॉब्स ने अपनी बीमारी के बारे में बताया है कि मुझे कैंसर हुआ, मेरी सर्जरी हुई और सौभाग्य से अब मैं ठीक हूँ मौत को इतने करीब से मैंने इससे पहले कभी नहीं देखा। यह सब देखने के बाद मैं और भी विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि मृत्यु अवश्यंभावी है।
8. (क) हमें अपने भविष्य के बारे में कुछ भी पता नहीं होता। हम सिर्फ़ अपने भूतकाल और वर्तमान के आधार पर आगे की योजना बना सकते हैं। इसलिए हम जो आज कर रहे हैं वही आगे चलकर हमारे भविष्य की दिशा और आधार तय करेगा।
   (ख) इनसान जब किसी काम को सीखते हुए शुरुआत करता है तो उसके ऊपर इतना दबाव नहीं होता जितना एक सफल व्यक्ति को काम करते वक्त होता है। नौसिखिया असफलता के डर से पीछे नहीं हटेगा जबकि सफल व्यक्ति को हारने की घबराहट होती रहेगी। सरल शब्दों में कहें तो सफलता प्राप्त करने से ज़्यादा सफलता को कायम रख पाना अधिक मुश्किल होता है।
   (ग) मौत के डर से लोग बड़े-बड़े साहसिक कार्य भी कर जाते हैं। जब हम यह सोच लेते हैं कि हमारी आखिरी मंज़िल मौत है तब डर खत्म हो जाता है। यह हमारे सोचने और काम करने के तरीके में बदलाव लाती है। हमें निडर बनाती है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) दीक्षांत (ख) मैकंतोश (ग) गराज (घ) पिक्सार (ङ) कैंसर
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस कथन के माध्यम से स्टीव जॉब्स ने संदेश दिया है कि हमें स्वयं पर भरोसा रखना चाहिए। हमें यह सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है। अगर आपके अंदर विश्वास नहीं होगा तब आप कुछ नहीं कर सकते।
2. स्टीव जॉब्स की लगन को सर्वाधिक पसंद किया जा सकता है। उनकी लगन ही थी जो उन्हें कुछ नया करने को प्रेरित करती थी और उन्होंने यह मुकाम पाया।

V. भाषा कौशल

1. (क) सामान्य भूतकाल (ख) पूर्ण भूतकाल (ग) संदिग्ध वर्तमान
   (घ) अपूर्ण भूतकाल (ङ) आसन्न भूतकाल
2. (क) मैं कॉलेज छोड़ने का निर्णय ले चुका हूँ।
   (ख) मैंने अपने माता-पिता की कमाई खर्च कर दी थी।
   (ग) मेरी कहानी समाप्त हो गई होगी। (घ) मेरी उम्मीद समाप्त हो गई।
3. (क) निराशा (ख) अनुत्तीर्ण (ग) सवाल (घ) नरक (ङ) असीमित (च) बदसूरत
4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 22. बोलने वाली रज़ाई

I. मौखिक कौशल

1. कपड़ों का व्यापारी सराय का पहला ग्राहक था।
2. एक दर्ज़ी सराय का दूसरा ग्राहक था।
3. मकान-मालिक ने दोनों लड़कों से किराया वसूलने के लिए उनकी रज़ाई ले ली थी।

II. लिखित कौशल

1. सराय के मालिक ने सराय के लिए चटाइयाँ, मेज़ें आदि एक कबाड़ी की दुकान से खरीदी थीं।
2. व्यापारी के कमरे में दो आवाज़ें आ रही थीं। उसे लगा शायद भूल से सराय के मालिक के बच्चे कमरे में आ गए हैं। उसने मोमबत्ती जलाई और कमरे का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया। जब उसे विश्वास हो गया कि आवाज़ें रज़ाई में से आ रही हैं तो उसने जल्दी-जल्दी अपना सामान बटोरा।
3. व्यापारी ने रज़ाई वाली बात सराय के मालिक से बताई।
4. व्यापारी की बात सुनकर सराय के मालिक ने कहा, "जनाब! लगता है, आपको बुरे स्वप्न दिखाई दिए। कहीं रज़ाइयाँ भी बोलती हैं?"
5. सराय के मालिक ने खीझकर दर्ज़ी से कहा, "महोदय! मैंने आपको अधिक आराम पहुँचाने की कोशिश की, इसका बदला आप मुझे ऐसी बेवकूफ़ी से भरी कहानी सुनाकर चुकाना चाहते हैं।"
6. सराय का मालिक रज़ाई को लेकर कबाड़ी की दुकान पर गया, जहाँ से उसने उसे खरीदा था। उसके बाद वह कई दुकानों के चक्कर काटता रहा और अंत में एक छोटे-से मकान के पास पहुँचा। उस मकान के मालिक से पता चला कि यह रज़ाई एक किरायेदार से किराया वसूलने के लिए ली गई थी।
7. रज़ाई को दोनों भाइयों की कब्र पर ओढ़ा देने के बाद आवाज़ें आनी बंद हो गई थीं।
8. (क) यह वाक्य कपड़ों के व्यापारी ने सराय के मालिक से कहा था।
   (ख) यह वाक्य दर्ज़ी ने सराय के मालिक से कहा था।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. लोगों ने प्रण लेकर एक-दूसरे की सहायता करना एवं दूसरों के दुखों में काम आना जैसे मानवीय मूल्यों का परिचय दिया है।
2. अगर लोग उन दोनों लड़कों की सहायता करते तो उनकी अकाल मृत्यु नहीं होती। किसी की सहायता करना मनुष्य का स्वाभाविक गुण होना चाहिए। अतः हमें मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करनी चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) संयुक्त (ख) मिश्र (ग) सरल (घ) मिश्र (ङ) संयुक्त (च) सरल

2. (क) क्या आपको ठंड लग रही है? (ख) हाँ, मुझे ठंड लग रही है।
(ग) अब हम क्या करें? (घ) यात्री नाराज़ होकर चला गया।
(ङ) क्यों क्या बात है? (च) उसने चटाइयाँ, मेज़ें और रज़ाइयाँ खरीदी थीं।

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 23. भारत-दर्शन

I. मौखिक कौशल

1. लाचुंग से युमथांग घाटी की दूरी 24 किलोमीटर है।
2. सापुतारा डांग वन क्षेत्र में पड़ता है।
3. लेह से कारगिल 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
4. चिन्नर वन्य-जीव अभयारण्य देवीकुलम से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

II. लिखित कौशल

1. इस पाठ में लाचुंग, सापुतारा, जांस्कर तथा देवीकुलम पर्यटक स्थलों के बारे में बताया गया है।
2. सापुतारा तक पहुँचने के लिए वायु मार्ग द्वारा सूरत तक पहुँचा जा सकता है जहाँ से सापुतारा के लिए नियमित बस सेवा उपलब्ध है। रेल मार्ग द्वारा जाना चाहें तो पहले बिलिमोरा स्टेशन तक जाना होगा, जहाँ से सड़क मार्ग द्वारा सापुतारा जाया जा सकता है।
3. सर्पगना नदी दूर से लहराती-बलखाती विशाल नागिन जैसी लगती है। इसी नदी से इस जगह का नाम सापुतारा पड़ा है। यहाँ के अधिकतर निवासी इस नदी को पवित्र नदी मानते हैं। वे इसके किनारे आकर इसकी पूजा-अर्चना भी करते हैं।
4. वंशदा राष्ट्रीय उद्यान में बाघ, तेंदुए, जंगली बिल्ली, अजगर आदि जानवर देखे जा सकते हैं।
5. जांस्कर घाटी जम्मू एवं कश्मीर राज्य में कारगिल ज़िले से 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
6. पौराणिक मान्यता के अनुसार, देवीकुलम झील में सीता जी ने स्नान किया था इसीलिए इसका ऐसा नाम पड़ा।
7. चिन्नर वन्य-जीव अभयारण्य में हाथी, साँभर, तेंदुआ, दैत्याकार गिलहरी और स्टार कछुआ आदि जानवर देखे जा सकते हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) युमथांग घाटी (ख) बड़े साँप का बसेरा (ग) बर्फ़ीला प्रदेश (घ) झील (ङ) हरे पानी के झरने
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

सापुतारा के निवासी सर्पगना नदी की पूजा करते हैं। इससे पता चलता है कि वे पुरानी मान्यताओं में आस्था रखते हैं तथा प्रकृति को भगवान तुल्य मानते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) जीविका के अनुसार, अव्ययीभाव समास (ख) पर्वत की माला, तत्पुरुष समास (ग) गुजरात का वासी, तत्पुरुष समास (घ) वन का जीव, तत्पुरुष समास (ङ) आस या पास, द्वंद्व समास
2. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

जाँच पत्र-2

(पाठ 13-23 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) किसी काम को प्रारंभ करने के पहले बहुत सोच-विचार कर लेना चाहिए।

(ख) मुसद्दीलाल को उसकी ठेली से सामान खरीदकर खाते हुए बच्चों के शहंशाही हाव-भाव देखकर अधिक आनंद आता था।

(ग) लेखक ने आइने में अपनी शक्ल देखी, मुँह पर उँगलियाँ रखकर देखा, दाँत निपोरकर देखा, चेहरा आगे बढ़ाकर देखा, रीढ़ सीधी करके और सीना फुलाकर देखा। और अंत में, चेहरा लटकाकर देखा परंतु किसी भी कोण से अपने आपको प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं पाया। इसलिए लेखक प्रधानमंत्री नहीं बनना चाह रहे थे।

(घ) सीधी मछली ने बतलाया कि किसी समय धरती और चंद्रमा एक थे। बाद में अलग हुए। बड़ा टुकड़ा धरती बन गया और छोटा टुकड़ा चंद्रमा बनकर धरती के चारों ओर चक्कर लगाने लगा।

(ङ) व्यापारी ने रज़ाई वाली बात सराय के मालिक से बताई।

(च) मुतांदी के मन में उसके प्रति प्यार था। वह शंकरन को अपना बच्चा समझता था। मुतांदी का बड़प्पन दिखाई देता था।

2. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे और क्यों?

(क) अधिकारी ने मुसद्दीलाल से क्योंकि वह भी सामान नि:शुल्क देना चाहता था।

(ख) शंकरन ने मुतांदी से कहा क्यों कि वह राधा की रोज़-रोज़ की किच-किच से तंग आ गया था।

3. पाठ के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत–

(क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) अपनी ठेली (ख) कुछ (ग) बजाकर (घ) दाल-भात (ङ) वहीं

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सब यहाँ हैरान हैं, लगता है कि दाल में कुछ काला है।

(ख) माँ ने जब अपनी विपदा सुनाई तो उनका गला भर आया।

(ग) घर का ताला टूटा देखकर मेरा माथा ठनका।

(घ) बहुत पुराने मित्र से मिलकर मैं फूला न समाया।

(ङ) महात्मा गांधी गोली खाकर ईश्वर को प्यारे हो गए।

पीरियोडिक टेस्ट-1
(पाठ 1 से 6 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) शिशुपाल सम्राट की परीक्षा मे सफल हो गए थे।
   (ख) सम्राट की मूर्ति सोने की बनी थी। (ग) शास्त्रों में राजा को ईश्वर का रूप माना गया।
   (घ) (i) पुरस्कार (ii) सम्राज्ञी (ङ) परि + ईक्षा
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) तितलियाँ (ii) आँखें (ख) (i) (ग) (i) असहमति (ii) निराशा
   (घ) (i) मुख (ii) रात्रि (ङ) (ii)
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) फूल और काँटा दोनों साथ रहते हैं परंतु उनके स्वभाव में बहुत अंतर रहता है। फूल को सभी लोग प्यार से देखते हैं जबकि काँटा सबके तिरस्कार का पात्र बनता है।
   (ख) टोकरी के सूराख में थोड़ा-सा कागज़ ठूँस दिया गया और टोकरी को टहनी से टिकाकर घोंसले पर आड़ कर दी गई। इस तरह से अंडों को धूप से बचाने का उपाय किया गया।
   (ग) पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से गोपाल कृष्ण गोखले जी की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने की अनुमति माँगी है।
   (घ) न्याय-मंत्री ने अपने उच्च अधिकारी को आज्ञा दी कि वह सम्राट अशोक को गिरफ़्तार कर लें।
   (ङ) पंडित रविशंकर द्वारा लेखिका की माँ की गाड़ी को धक्का लगाने वाला दृश्य लेखिका की अंतरात्मा में आज भी अंकित है।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) अपना छात्रावास का पता
   (ii) बड़े भाई को संबोधन व अभिवादन
   (iii) औपचारिक हाल-चाल पूछना (iv) परीक्षा के लिए मार्गदर्शन के लिए निवेदन
   (v) आभार तथा धन्यवाद (vi) अपना नाम (अनुज के रूप में)

पीरियोडिक टेस्ट–2
(पाठ 1 से 12 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) अपने बचपन के रूप में। (ख) कवयित्री भी बच्ची बन जाती है।
   (ग) अपने बचपन को। (घ) बच्चा (ङ) बरस (मूलशब्द) + ओं (प्रत्यय)
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) स्त्रीलिंग (ii) पुल्लिग (ख) (i)
   (ग) (i) यथोचित गुण संधि (ii) उल्लास व्यंजन संधि
   (घ) (i) कार्य (ii) अस्थि (ङ) (i) नारियाँ (ii) इच्छाएँ
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) राजमुद्रिका लौटाने पर सम्राट ने शिशुपाल से कहा, "आपने मेरी आँखें खोल दी हैं। आपका साहस प्रशंसनीय है। यह बोझ आपके अतिरिक्त और कोई नहीं उठा सकता।"
   (ख) अंग्रेज़ जनरल ने घुड़सवारों को कई दिशाओं में फैलाकर आक्रमण करने की योजना बनाई थी।
   (ग) बसंत मोटरगाड़ी के नीचे आ गया था इसलिए रुपये छुट्टे कराकर वापस नहीं लौटा।
   (घ) क्रोध में अच्छे-बुरे का ध्यान खोकर स्वार्थवश साहस करने को प्रशंसनीय नहीं कहा जा सकता।
   (ङ) युवा महिलाओं के लिए टेस्सी थॉमस ने संदेश दिया है कि उनके लिए ज़रूरी है कि उनके अंदर सीखने की इच्छा हो और चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हो। तभी वे जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) वीरता का रूप, क्षेत्र
   (ii) स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता (iii) उदाहरण (iv) अमरत्व प्रदान
   (v) वीर और कायर में अंतर

पीरियोडिक टेस्ट-3
(पाठ 1 से 18 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) बाबू नारायण सिंह को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आदर्श शिक्षक का 'राष्ट्रपति पुरस्कार' मिला था।

(ख) मुंशी निरंजनलाल इतनी बड़ी खुशी की सूचना बाबू नारायण सिंह को स्वयं जाकर देना चाहते थे।

(ग) अभिवादन की औपचारिकता गले मिलकर पूरी हुई।

(घ) हर्ष + अतिरेक (ङ) फूला न समाना – बहुत प्रसन्न होना।

2. **निर्देशानुसार कीजिए –**

(क) (i) सार्वनामिक विशेषण (ii) सर्वनाम (ख) (ii)

(ग) (i) विद्या + आलय (ii) तत् + लीन (घ) (iii)

(ङ) (i) पहले, एक दिशा (ii) पत्ता, चिट्ठी

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**

(क) मारवाड़ के मौरुदा गाँव के ज़मींदार बुद्धन सिंह किसी झगड़े के कारण स्वदेश छोड़कर जयपुर चले गए और वहीं बस गए। थोड़े ही दिनों बाद मराठों ने मारवाड़ पर आक्रमण कर दिया। यद्यपि बुद्धन मारवाड़ को हमेशा के लिए ही छोड़ चुके थे तथापि शत्रुओं के आक्रमण का समाचार पाकर और मातृभूमि को संकट में पड़ा हुआ जानकर उनका रक्त उबल पड़ा। वे अपने संग डेढ़ सौ साथियों को लेकर, बिना किसी से पूछे जयपुर से तुरंत चल पड़े। सही समय पर अपने देश और राजा की सेवा करने के लिए बुद्धन सिंह मौरुदा गाँव पहुँच गए। मारवाड़ क्षेत्र की महिलाएँ आज भी बुद्धन सिंह और उनके वीर साथियों की वीरता के गीत गाती हैं।

(ख) कवि ने परमार्थ के कार्य के लिए अपना शीश भी गँवा देने की बात कही है।

(ग) अपनी निरीक्षण-टिप्पणी में डिप्टी साहब ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रतिभा गाँव में भी विद्यमान है। यद्यपि नगरीय चकाचौंध में तकनीकी विकास का रंग वहाँ के छात्रों पर दिखाई देता है किंतु गाँव के सादगी भरे जीवन में प्रतिभा की मौलिकता दिखाई देती है। ग्रामीण परिवेश के संस्कारों के अनुशासन में बँधे इन बच्चों को यदि शिक्षा का उचित वातावरण मिल जाए तो ये अपनी प्रतिभा की मौलिकता का प्रदर्शन हर क्षेत्र में कर पाएँगे।

(घ) सपने में राष्ट्रपति भवन में लेखक यहाँ-वहाँ भाग रहे थे। वहाँ कई नौकर थे, चपरासी थे, माली थे, सबने मिलकर लेखक को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर इतने ज़ोर से पटका कि उनकी नींद खुल गई।

(ङ) शिवरात्रि के समय मॉरीशसवासी हिंदू श्वेत वस्त्र धारण करके, कंधों पर काँवर लिए जुलूस बाँधकर, परी तालाब पर आते हैं और इस तालाब का जल लेकर अपने-अपने गाँव के शिवालयों को लौट जाते हैं।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) प्रधानमंत्री का उत्तरदायित्व निभाना।

(ii) भ्रष्टाचार व गरीबी को समाप्त करना।

(iii) शिक्षा को बढ़ावा देना।

(iv) वैज्ञानिक उन्नति को बढ़ाना

(v) देश की प्रगति में योगदान

नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 24 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

1. (क) शंकरन के घर बेटे ने जन्म लिया। उसके जन्मदिन का उत्सव था।
(ख) शंकरन ने, पता नहीं प्रेमवश या अनजाने में ही, मुतांदी को भी बेटा होने का समाचार भेज दिया था।
(ग) मुतांदी बालक को सोने के कड़े देना चाहता था।
(घ) अत्यधिक प्रसन्न होना (ङ) नाक और नक्शा

2. निर्देशानुसार कीजिए –
(क) (i) मैंने उन्हें बधाई दी। (ii) सबने अपना काम कर लिया था।
(ख) (i) चढ़ेगा (ii) अंडे (ग) (i) दुर्गम (ii) दंडित
(घ) (iii) (ङ) (i) सुरक्षित (ii) चिंतित (च) (i) विदेश (ii) कायरता
(छ) (i) महिलाएँ (ii) चुनौतियाँ (ज) (i) वाणी (ii) पीछे
(झ) (ii) (ञ) (i) क्या आपको ठंड लग रही है? (ii) हाँ, मुझे ठंड लग रही है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
(क) व्यापारी की बात सुनकर सराय के मालिक ने कहा, "जनाब! लगता है, आपको बुरे स्वप्न दिखाई दिए। कहीं रज़ाइयाँ भी बोलती हैं?"
(ख) दूसरे कमरे में बैठी राधा मुतांदी के घर छोड़कर चले जाने से प्रसन्न हो रही थी।
(ग) प्रधानमंत्री के पद पर आसीन व्यक्ति के अंदर नेतृत्व क्षमता, देश-प्रेम, कर्तव्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा ईमानदारी का होना बहुत आवश्यक है।
(घ) टेस्सी थॉमस के अनुसार, जब उन्हें 'अग्नि-4' की टीम का प्रमुख चुना गया तब उनके वैज्ञानिक जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ आया। 'अग्नि-4' की सफलता के बाद 'अग्नि-5' की टीम में भी उन्हें परियोजना निदेशक का भार सौंपा गया।
(ङ) भले ही केशव और श्यामा की नादानी के कारण अंडे टूट गए परंतु अंडों की चिंता करना, छोटे-छोटे बच्चों के चुग्गे का खयाल, अंडों की हिफ़ाज़त करना आदि पक्षियों के प्रति उनकी प्रेम भावना को प्रकट करता है।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) पर्यटन क्या है?
(ii) पर्यटन के स्थल देश-विदेश
(iii) पर्यटन से लाभ (iv) पर्यटन महानगरों का प्रचलन